privatise all the profit making public sector units. It has not got the sanciton of the Parliament. The assets have been created through the Parliament. The President has 100 per cent shares. If the share is being diluted below 50 per cent then I would appeal to this House, I would appeal to all the people here—those who have got any feelings for the workers, 20 lakh workers are involved —that this must be discussed in the Parliament. Even the private promoters cannot take such decisions. If this is the signal you are going to give that anyone can suspend his operation only because working capital is not there then tomorrow any profit making industry, as Mr. Yoginder Alagh was referring, the blue chip companies in this country can be privatised with a single stroke of a pen. We are losing our assets and the Parliament has become a silent spectator. Would the Parliament remain a silent spectator? All the trade unions in the whole of the country are holding demonstrations. How long will the Parliament be a silent spectator of the sale of our public sector—when the Parliament is not even being informed about it? How long will we remain silent spectators, Sir? This is my question.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Shri A. Vijaya Raghavan. He is not here. Shri Ramnarayan Goswami. He is also not here. Shri Nilotpal Basu. He is not here. Shri Vayalar Ravi. He is also not here.

Shri Md. Salim.

Unrest in Maruti Udyog Limited

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): उपसभाध्यक्ष जी, वैसे तो मेरा मामला दूसरा है, लेकिन इसी के साथ संबंधित है। हमारे यहां जो पब्लिक सेक्टर प्रोफिटेबल है....

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): आपका नाम इसमें नहीं है। आपका नाम तो मारूति उद्योग के विषय में है।

श्री मोहम्मद सलीम: सर, मैं इसी पर कह रहा हूं, कि हमारे प्रोफिटेबल पब्लिक सेक्टर, किसी तरह से दबाव में आकर हो या एल्योरमेंट में आ कर हो, लालच से हो, वह हमारे हाथ से आहिस्ता-आहिस्ता छोड़े जा रहे है। मारूति उद्योग लिमिटेड इसका एक क्लाकसिक एग्जाम्पल है कि किस तरह से हम पब्लिक सेक्टर बनाते हैं, किस तरह से गवर्नमेंट उसे कन्सेशन देती है जमीन से लेकर टेक्स तक में, उसके बाद जब वह भारत की एक जैम इंडस्ट्री बन जाती है तो उसको किस तरह से हम मल्टीनेशनल के हाथ में ट्रांसफर कर देते हैं। गवर्नमेंट को जिन कंपनियों को आगे बढ़ाना चाहिए, ऊपर उठाना चाहिए, मदद देनी चाहिए, उसको तो बंद कर रही है। So, it is a question of privatisation of profits and nationalisation of losses.

तो इस तरह से हमारे मुल्क को ही अंदर से खोखला बनाने की कोशिश की जा रही है। मारूति उद्योग लिमिटेड के बारे में मंत्री महोदय ने अचानक एक स्टेटमेंट उस दिन दिया यहां पर और उसमें यह कहा कि एक एग्रीमेंट हो गया है आऊट आफ द कोर्ट सेटलमेंट। उन्होंने उस रोज हम लोगों को यह कहा था। आज मैं सभापति महोदय के प्रति ग्रेटफुल हूं कि उन्होंने मेरा यह स्पेशल मेंशन एलाऊ किया। आपको मालूम होगा कि उस दिन मंत्री महोदय ने नेशन को मिसलीड किया इस हाऊस को इस्तेमाल करके, कि गवर्नमेंट आफ इंडिया का इसमें कोई रोल नहीं है, यह सवाल सुजुकी मोटर कंपनी और मारूति उद्योग लिमिटेड का है, मगर यह जो मारूति उद्योग लिमिटेड और सुजुकी का टाईअप है, यह जो एग्रीमेंट हुआ है, प्रेसीडेंट आफ इंडिया के नाम पर ही एग्रीमेंट हुआ है। प्रेसीडेंट आफ इंडिया में पार्लियामेंट का महत्व भी होता है। वर्ष 1982 में जो एग्रीमेंट हुआ था उस को 1992 में उस समय की सरकार ने बदल दिया, उस पर भी हमारी आपत्ति है। आज ऐसी स्थिति है कि 50 प्रतिशत इक्विटि होल्डिंग सुजुकी मोटर की है और 50 प्रतिशत हिन्दुस्तान की है, जिसमें 49.74 गवर्नमेंट आफ इंडिया की है और 0.26 एम्पलाईज की है, इस प्रकार 50 परसेंट हमारी है। मैं एक लेटर पहले कोट करूंगा, चूंकि एग्रीमेंट भी यही कहता है ....(व्यवधान)...

†श्री मोहम्मद सलीम: اپ سبھاادھیکش جی۔ ویسے تو میرا معاملہ دوسرا ہے۔ لیکن اسی کے ساتھ سمبندھت ہے ہمارے

†[ ]Transilteration in Arabic Script

کی جارہی ہے - ماروتی ادیوگ لمیٹڈ کے بارے میں منتری مہودے نے نے اچانک ایک اسٹیٹمنٹ اس دن دیا یہاں پر اور اسمیں یہ کہا کہ ایک ایگریمنٹ ہو گیا ہے "آؤٹ آف دی کورٹ سٹلمنٹ" انھوں نے اس روز ہم لوگوں کو یہ کہا تھا - آج میں سبھا پتی مہودے کے پرتی گرہ مشکل ہوں کہ انھوں نے میرا یہ اسپیشل مینشن الاؤ کیا - آپ کو معلوم ہو گا کہ اس دن منتری مہودے نے نیشنس کو مس لیڈ کیا - اس ہاؤس کو استحواں کر کے کہ گورنمنٹ آف انڈیا کا اسمیں کوئی رول نہیں ہے - یہ سوال سوزوکی موٹر کمپنی اور ماروتی ادیوگ لمیٹڈ کا ہے مگر یہ جو ماروتی ادیوگ لمیٹڈ اور سوزوکی کا ٹائی اپ ہے - یہ جو ایگریمنٹ ہوا ہے پریسیڈنٹ آف انڈیا کے نام پر ہی ایگریمنٹ ہوا ہے - پریسیڈنٹ آف انڈیا میں پارلیمنٹ کا مہتو بھی ہوتا ہے ورش ۱۹۸۲ میں جو ایگریمنٹ ہوا تھا اسکو ۱۹۹۲ میں اس سمے کی سرکار نے بدل دیا - اس پر بھی ہماری آپتی ہے - آج ایسی استھتی ہے کہ ۵۰ فیصد ایکویٹی سوزوکی موٹر کی ہے اور ۵۰ فیصد ہندوستان کی ہے جسمیں ۲۷ ۹۰ گورنمنٹ آف

یہاں جو پبلک سیکٹر پرافٹ ایبل ہے...

شری سناتن پیسی "آپ سبھاادھیکش"

آپ کا نام اسمیں نہیں ہے آپ کا نام تو ماروتی ادیوگ کے وشے میں ہے -

شری محمد سلیم : سر - میں اسی پر کہہ رہا ہوں کہ ہمارے پرافٹ ایبل پبلک سیکٹر کسی طرح سے دباؤ میں آکر ہو یا ایلیورمنٹ میں آکر ہو - لالچ سے ہو وہ ہمارے ہاتھ سے آہستہ آہستہ چھوٹے جارہے ہیں - ماروتی ادیوگ لمیٹڈ اسکا ایک کلاسک ایگزامپل ہے کہ کس طرح سے ہم پبلک سیکٹر بناتے ہیں - کس طرح سے گورنمنٹ اسے کنسیشن دیتی ہے زمین سے لیکر ٹیکس تک میں - اسکے بعد جب وہ بھارت کی ایک "جیم انڈسٹری" بن جاتی ہے تو اسکو کس طرح سے ہم ملٹی نیشنل کے ہاتھ میں ٹرانسفر کر دیتے ہیں - گورنمنٹ کو جن کمپنیوں کے آگے بڑھانا چاہیئے - اوپر اٹھانا چاہیئے - مدد دینا چاہیئے اسکو تو بند کر رہی ہے :

So, It is a question of priatisation of profits and nationalisation of losses.

It تو اس طرح سے ہمارے ملک کو ہی اندر سے کھوکھلا بنانے کی کوشش

انڈیا کی ہے اور صفر اعشاریہ ۲۶ امپلائنز کی ہے اس پر کارہ ۵۰ پرسینٹ ہماری ہے۔ میں ایک لیٹر پہلے کوڈ کرونگا کیونکہ ایگزمنٹ بھی یہی کہتا ہے:]

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): सर, मेरा पाइंट आफ आर्डर है। स्पेशल मेंशन का टाइम लिमिट एक घंटा था। We decided in the Business Advisory Committee that Special Mentions... *(Interruptions)* One hour has already gone. It is not a debating time... *(Interruptions)* There are other things. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): मैं आपकी बात में इंटरफीयर नहीं करता हूं, लेकिन ....(व्यवधान)..... नहीं, नहीं, उनका मेटर है—अनरेस्ट इन मारुति उद्योग। ....(व्यवधान)... He is only supporting. *(Interruptions)*

श्री मोहम्मद सलीम: आपकी मर्जी से हाऊस चलेगा क्या? .....(व्यवधान)...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: नहीं, मेरी मर्जी का सवाल नहीं है। .....(व्यवधान)..Don't rub me that way. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): नहीं, नहीं। ऐसा मत बोलिए। हम यहां बैठे है, न। .....(व्यवधान)....

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: उपसभाध्यक्ष महोदय, यह तीन मिनट टाइम है स्पेशल मेंशन का रूल्स के मुताबिक। आखिर कोई समय सीमा होनी चाहिए। यह हाउस स्पेशल मेंशन के लिए ही नहीं है, हमें गवर्नमेंट बिजनेस भी पास करना है। ....(व्यवधान).....

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): Where is the Cabinet Minister, Sir? *(Interruptions)*

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: 6.00 बजे तक का टाइम था स्पेशल मेंशन के लिए। एक घंटा बीत गया और अभी कई स्पेशल मेंशन पड़े हैं। प्लीज, आप सदस्यों से कहिए कि थोड़े में बात कहें। अगर पन्द्रह-पन्द्रह मिनट हर सदस्य बोलेगा तो कैसे चलेगा! .....(व्यवधान)....

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): I want to make a submission, Sir. Special Mentions, Zero Hour Submissions, everything is being discussed in this House. You are a Member of this House. Mr. Malhotra is a Member of this House. We all know this has been going on. I feel the ruling party must have enough patience. They must accommodate the Opposition. If you don't want us, we will walk out. You run the House. You don't want us to be here. You run the show. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Please. Please, Raviji. *(Interruptions)*

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: सर, प्रणब जी ने यहां यह बात कही थी, मैंने नहीं कही थी। आपके लीडर ने यह बात कही थी। आखिर, कोई टाइम लिमिट होनी चाहिए, समय सीमा होनी चाहिए। ...(व्यवधान)... Your leader said it. *(Interruptions)*

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, since morning I have been watching. *(Interruptions)* Mr. Malhotra is always trying to give directions to the Chair. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): बैठिए, बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... हम लोग इस पर टाइम खराब न करें। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: कब तक चलेगा यह स्पेशल मेंशन? ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): प्लीज़, प्लीज़। प्लीज़ ऐसे टाइम खराब मत कीजिए। ...(व्यवधान)..

SHRI MD. SALIM: The Whip of the ruling party is not the monitor of the House. If you don't allow us to speak, then you won't be able to pass the Government Business.

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, the hon. Member cannot dictate terms to the House. ...*(Interruptions)*...

SHRI MD. SALIM: They cannot pass even a single Bill without the co-operation of the House. ...*(Interruptions)*...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Sir, if there is any further interruption, then we will go out of the House. ...*(Interruptions)*... We won't be here.

श्री मोहम्मद सलीम: आप चाहेंगे तभी हम बोलेंगे? कुछ तो लोकतंत्र का ध्यान कीजिए। ...(व्यवधान)...

†اشری محمد سلیم: آپ چاہیں گے تبھی ہم بولیں گے۔ کچھ تو لوکتنتر کا دھیان کریئے ... "مداخلت" ...†

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: इसका मतलब खाए टाइम आप ही बोलेंगे, यही लोकतंत्र है? ...(व्यवधान)...

THE VICE-CHAIRMAN: Mr. Salim, please take your seat.

श्री मोहम्मद सलीम: क्या रूलिंग दिया उनके प्वाइंट आफ ऑर्डर पर आपने?

†اشری محمد سلیم: کیا رولنگ دیا اسکے پوائنٹ آف آرڈر پر آپ نے†

THE VICE-CHAIRMAN (Shri Sanatan Bisi): No, no. There is no point of order. These are not the matters of point of order. Mr. Salim, please take your seat. ...*(Interruptions)*... He is not associating with others. ...*(Interruptions)*...

SHRI MD. SALIM: Sir, the Whip of the ruling party is creating disorder in the House. ...*(Interruptions)*...

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: कितने बजे तक चलाएंगे आप, यह बता दीजिए?

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): प्लीज़ टेक यूअर सीट। एक मिनट बैठिए। मिस्टर सलीम जो बोल रहे हैं, उनका स्पेशल मेंशन है, वह ऐसोसिएट नहीं कर रहे हैं।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि ये स्पेशल मेंशन कब तक चलेंगे, कब बिल आना है? ..(व्यवधान).. आप हमें टाइम बता दीजिए कि बिल कितने बजे आएगा? ..(व्यवधान)..

†[ ]Transilteration in Arabic Script

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि): ठीक है। मिस्टर सलीम अब समाप्त कीजिए।

श्री मोहम्मद सलीम: सर, कन्कलूड करने से पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि ज़ीरो ऑवर और स्पेशल मेंशन मैम्बर का राइट है चाहे वह किसी भी पार्टी का हो।

†اشری محمد سلیم: سر - کنکلوڈ کرنے سے پہلے میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ زیرو آور اور اسپیشل مینشن ممبر کا رائٹ ہے چاہے وہ کسی بھی پارٹی کا ہو۔†

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Please don't go into all those things.

SHRI MD. SALIM: We have sacrificed the Zero Hour.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): That is known to everyone. Please conclude your Special Mention.

SHRI MD. SALIM: Sir, here I would like to quote from a letter written by Osamu Suzuki to the Secretary, Department of Heavy Industry. It states, "Maruti is a private company equally shared by the Government of India and Suzuki Motor Corporation, and appointment of Board Members and their positions in corporate organisation are determined after agreement between both shareholders. The Managing Director is to be elected alternately from the Board Members nominated by both shareholders. In reality, it was common understanding that election of Managing Director of Maruti was virtually conducted in accordance with agreement of the representatives of both shareholders." When the question came in respect of their nominee as the Managing Director in 1995, when the Government of India wanted to remove the Managing Director appointed by/nominated by Suzuki Motor Corporation, they said, "It is not

your business. Government of India, you keep quiet. It is our nominee." This is what the Suzuki Motor Corporation says to the Secretary, Department of Heavy Industry. It says, "It is none of your business. I nominated him. He will continue up to five years. Then it will be your turn and you will nominate. We cannot exchange." And when our turn came, according to the agreement between the President of India, Maruti Udyog Limited and the Suzuki Motor Corporation as per article 5.1 and 5.2, for five years of the Government of India will nominate. All of a sudden, without amending the original agreement, the Minister comes up with an out-of-court settlement. The case was pending in the International Court of Arbitration. The aggrieved party, namely, the Suzuki Motor Corporation had gone to that court. We were on a strong ground. They were about to lose the case. All of a sudden, the Minister comes up with a statement saying हम मेनेजिंग डायरेक्टर को 31 दिसम्बर, 1998 तक चेंज कर देंगे और उसे बिठाएंगे जिसको गवर्नमेंट बिठाएगी।

†[ہم مینیجنگ ڈائریکٹر کو 31 دسمبر 1998 تک چینج کر دیں گے اور اسے بٹھائیں گے جس کو گورنمنٹ بٹھائیگی]†

The Government is a continuining entity. Mr. Ram Jethmalani is here. Though it is not his subject, he is a legal luminary. He fought all these cases earlier. Now, Sir, the Government of India is changing its stand and saying that from 1st January, 2000 that person will be the Managing Director who is going to be accepted by the Suzuki Motor Corporation, during our period of five years. Then, who is that* I am not going to name him. The question is, the person who was ousted from the post by the Government of India saying that he is not looking after the interest of the Government of India and Maruti Udyog Limited, but he is acting at the behest of the Suzuki Motor Corporation, the same person has been rehabilitated as Government of India's nominee during our period.

6.00 P.M.

[The Vice-Chairman (Shri John F. Fernandes) in the Chair]:

It is a question of sell-out. Suzuki Motor Corporation for the last five years is trying to purchase politicians belonging to different colours, different parties. They are out with a bang, alluring politicians, saying to them, "You fight for our cause." Your party stood by principles and the Governfment which talks of Swadeshi, the Government which talks about the national prestige, the Government which talks against multi-national companies. जो सरकार यह कहती थी कि मल्टी-नेशनल्स को हम भगाएंगे, बोतल तोड़ेंगे, आज वह पार्टी, वह सरकार सुजुकी मोटर्स के पास हमारी इज्ज़त को, हमारे अधिकार को, हमारी ऐग्रीमेंट के क्लाज़ को पैरों तले रौंद देती है और सिर झुकाकर मान लेती है।

†[جو سرکار یہ کہتی تھی کہ ملٹی نیشنلس کو ہم بھگائیں گے۔ بوتل توڑیں گے۔ آج وہ پارٹی۔ وہ سرکار سوزوکی موٹرس کے پاس ہماری عزت کو۔ ہمارے ادھیکار کو۔ ہمارے ایگریمینٹ کے کلاز کو پیروں تلے روند دیتی ہے اور سر جھکا کر مان لیتی ہے۔]†

Is it the way to fight sanctions, to please Japanese investors? No. बल्कि आपने अपनी जो कमजोरी है,

†[بلکہ آپ نے اپنی جو کمزوری ہے۔]†

You have opened a counter for bargain: "Come, bargain and gain." और जो आपके बैकरूम

†[ ]Transilteration in Arabic Script

*Expunged as ordered by the Chair.

ब्वायेज़ है आपके पी०एम०ओ० और इंडस्ट्री मिनिस्ट्री में, इंडस्ट्री मिनिस्टर को मालूम नहीं कि सैटरडे-संडे को ऐग्रीमेंट हुआ, आऊट ऑफ कोर्ट सैटलमेंट हुआ और मंडे को आकर उन्होंने यहां प्लेस कर दिया। इंडस्ट्री मिनिस्टर को मालूम नहीं, इंडस्ट्रियल सेक्रेटरी को मालूम नहीं। क्या इस तरह से वह काम करेंगे? आज मारूति उद्योग लिमिटेड के तमाम यूनियन के लोग धरना दे रहे हैं, डैमोन्सट्रेशन कर रहे हैं। जो प्रॉफिटेबल प्राइवेट सैक्टर है जिसमें हमने हजारों-लाखों रुपए की रिआयत दी है, आज उसे सुजूकी मोटर्स को प्रैक्टिकली होल्डिंग्ज़ न बढ़ाकर भी उसके हाथ में आप दे रहे हैं उनकी मरजी के मुताबिक, उनकी सुविधा के मुताबिक। सुजूकी का पूरे विश्व में कहीं बिजनैस नहीं हो पा रहा है, जापान में भी नहीं हो पा रहा है। उसका जो टोटल टर्नओवर है, उसका 50 परसेंट से ज्यादा हिस्सा मारुति उद्योग से आता है और आज हम उनके सामने घुटने टेक रहे हैं। अभी तो ओपन है। हम किसी से भी बारगेन कर सकते थे। टेक्नोलोजी का जहां तक सवाल है, ऐग्रीमेंट में वह बात है, टेक्नोलोजी देने की बात है लेकिन आपने उस क्लॉज़ को इनिशियेट नहीं किया। आपने नहीं लिखा कि टेक्नोलोजी देने के लिए आप बाध्य हैं और आपने उनके सामने सिर झुका दिया। मैं इसका प्रतिवाद करता हूं और मांग करता हूं कि इन सब बातों को सामने रखकर मंत्री जी का इस बारे में एक स्टेटमेंट आना चाहिए। देश की संपत्ति को इस तरह से यह सरकार विदेशियों के हाथ में बेचेगी तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा।

†श्री मुहम्मद सलीम : अध्यक्ष महोदय, आपके बीच रूम बाउंड्रीज़ में आपने बी.एम.ए. और इंडस्ट्री मिनिस्ट्री में इंडस्ट्री मिनिस्ट्री को मालूम नहीं कि सैटरडे संडे को एग्रीमेंट हुआ आउट ऑफ कोर्ट सैटलमेंट हुआ और मंडे को आकर उन्होंने यहां प्लेस कर दिया। इंडस्ट्री मिनिस्टर को मालूम नहीं, इंडस्ट्रियल सेक्रेटरी को मालूम नहीं। क्या इस तरह से वह काम करेंगे? आज मारुति उद्योग लिमिटेड के तमाम यूनियन के लोग धरना दे रहे हैं, डैमोन्सट्रेशन कर रहे हैं। जो प्रॉफिटेबल प्राइवेट सैक्टर है जिसमें हमने हजारों-लाखों रुपए की रिआयत दी है, आज उसे सुजूकी मोटर्स को प्रैक्टिकली होल्डिंग्ज़ न बढ़ाकर भी उसके हाथ में आप दे रहे हैं उनकी मरजी के मुताबिक, उनकी सुविधा के मुताबिक। सुजूकी का पूरे विश्व में कहीं बिजनैस नहीं हो पा रहा है, जापान में भी नहीं हो पा रहा है। उसका जो टोटल टर्नओवर है, उसका 50 परसेंट से ज्यादा हिस्सा मारुति उद्योग से आता है और आज हम उनके सामने घुटने टेक रहे हैं। अभी तो ओपन है। हम किसी से भी बारगेन कर सकते थे। टेक्नोलोजी का जहां तक सवाल है, ऐग्रीमेंट में वह बात है, टेक्नोलोजी देने की बात है लेकिन आपने उस क्लॉज़ को इनिशियेट नहीं किया। आपने नहीं लिखा कि टेक्नोलोजी देने के लिए आप बाध्य हैं और आपने उनके सामने सिर झुका दिया। मैं इसका प्रतिवाद करता हूं और मांग करता हूं कि इन सब बातों को सामने रखकर मंत्री जी का इस बारे में एक स्टेटमेंट आना चाहिए। देश की संपत्ति को इस तरह से यह सरकार विदेशियों के हाथ में बेचेगी तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा।

†[ ]Transilteration in Arabic Script

میں بیچیگی تو اسکا انجام بہت برا ہوگا - [" ختم شد "]

THE MINISTER OF POWER (SHRI R. KUMARAMANGALAM): Mr. Vice-Chairman, Sir, I have a request. (*Interruptions*) The hon. Member used * (*Interruptions*) 'I do not want to name the * At this stage he used the word, * (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): He was referring to whom? Whom were you referring to, Mr. Salim? To the hon. Minister?

SHRI R. KUMARAMANGALAM: It is not parliamentary. We do not use it. (*Interruptions*) That should not go on record. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): In what context it has been referred? I have to go through the record. Mr. Minister, I will go through the record if it is used in a wrong manner. (*Interruptions*)

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar): It is not unparliamentary. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): If it is used against the Minister, I think, it is not proper. (*Interruptions*)

SHRI R. KUMARAMANGALAM: Be it an individual. Minister is no better and no worse than any citizen of India. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): I will go through the record.

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): It is for the first time in my life I hear that the word * is an offensive word. It cannot be unparliamentary.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): I have a record before me. It is unparliamentary and it will be expunged. Mr. Ahluwalia now.

श्री समशेर सिंह सुरजेवाला (हरियाणा): महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि मारुति उद्योग लिमिटेड को हरियाणा में प्राईम लैंड फूटी कोड़ियों के भाव दी गई थी इसलिए क्योंकि वह सरकार की कंपनी थी। हमने वहां पर कैप्टिव प्लांट लगाया था अपने प्रांत की बिजली देकर। आप प्रबंध उनके हाथ में सौंपकर जहां देश का बहुत बड़ा नुकसान कर रहे हैं वहीं हरियाणा का भी बड़ा भारी नुकसान कर रहे हैं। जापान वालों को यह कंपनी देकर आप हमारा बहुत बड़ा नुकसान कर रहे हैं। हमने इस कंपनी को लगाने में मदद करके इस देश के लोगों के लिए सैक्रिफाईस किया था, किसी प्राइवेट आदमी के लिए, प्राइवेट कंपनी के लिए सैक्रिफाईस नहीं किया था।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): Okay, please take your seat. Shri Ahluwalia now

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): I have a separate subject. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JOHN F. FERNANDES): On a separate subject only. That is over now. Mr. Ahluwalia, there is an announcement by the Parliamentary Affairs Minister.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI DILIP RAY): The House is to transact certain important business today. Dinner has been arranged for the hon. Members, Press and the staff. Dinner will be available at 8 p.m. in Room No. 70 for the hon. Members and the Press and in Room No. 73 for the staff.

Pilferage of Data from B.A.R.C. Plants Regarding Nuclear Explosion by Computer Hackers

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा उठाना चाहता हूं। मैं पिछले छः दिन से इंतजार कर रहा था इस मुद्दे को आपके सामने रखने के लिए, पर सदन के सामने और भी बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे

*Expunged as ordered by the Chair.